राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 10 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-44 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धोनी के पोस्ट पर गंभीर का जवाब, बोले: आपको देखकर अच्छा लगा

● माही ने 'कोच साहब' से क्या कहा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्वकप जीतने के बाद भारतीय फैंस खुश हैं। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल को देखने के लिए भारतीय क्रिकेट के कई दिग्गज मौजूद थे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की हुई। जीत के बाद धोनी ने कोच गौतम गंभीर को लेकर पोस्ट किया था, जिसपर गंभीर ने अब कमेंट किया है। उन्होंने पोस्ट पर ही रिप्लाई करते हुए धोनी की नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूदगी की सराहना की है। धोनी ने अपने पोस्ट में गौतम गंभीर का जिक्र करते हुए बेहद दिलचस्प टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, 'कोच साहब, मुस्कान आप पर बहुत अच्छी लगती है। मुस्कान के साथ आपकी तीव्रता घातक कॉम्बिनेशन है, बहुत बढ़िया।' गंभीर अपने सख्त और गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उनकी जीत के बाद की मुस्कान पर धोनी की यह टिप्पणी फैंस को खूब पसंद आई। धोनी ने आगे पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देते हुए लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास बना है। धोनी के पोस्ट पर अब कोच गंभीर ने रिप्लाई किया है। उन्होंने कमेंट बॉक्स में मुस्कान वाली बात पर लिखा- और क्या शानदार वजह है इस मुस्कान के लिए। आपको देखकर अच्छा लगा।'

गर्मी के तेवर हुए तीखे, पहाड़ो पर छाई धूप

उत्तर में 35 डिग्री के पार पहुंचा पारा, कब राहत की उम्मीद?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में मार्च की शुरूआत के साथ ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत के कई शहरों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मैदानी इलाकों में राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पिलानी में सबसे अधिक 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार राजस्थान, दक्षिण हरियाणा, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं देश के अधिकतर अन्य हिस्सों में अधिकतम तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से काफी अधिक चल रहा है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में भी गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में तापमान सामान्य से 5 से 8 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। तीखी धूप के कारण पहाड़ी इलाकों में भी स्थानीय लोगों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में शुष्क हवाएं चलने के कारण तापमान तेजी से बढ़ रहा है। कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है। उत्तर-पश्चिम भारत में रात का तापमान 14 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में यह 18 से 22 डिग्री सेल्सियस और दक्षिण भारत में 22 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

पश्चिमी विक्षोभ से कब मिलेगी राहत?

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम बदल सकता है। जम्मू-कश्मीर में 7 से 12 मार्च के बीच हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी इसी अवधि के दौरान हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

बंगाल पहुंचे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, कालीघाट में पूजा की

● लोगों ने गो-बैक के पोस्टर, काले झंडे दिखाए

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे। मंदिर के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने गो बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए। इसके पहले रविवार को भी कोलकाता पहुंचने पर कुछ लोग उनके काफिले के सामने झंडे लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते दिखे। इधर, BJP के एक डेलीगेशन ने सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की फुल बेंच से मुलाकात की और मांग की कि 2026 का पश्चिम बंगाल असेंबली चुनाव तीन फेज में ही कराया जाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होने वाला है। 294 सीटों पर अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है। 2021 में TMC ने 215 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री चुनी गई थीं।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा, चर्चा की मांग

सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जवाब दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, सोमवार को विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है। मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें। वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है।

शांभवी चौधरी बोलीं: विपक्ष चर्चा को तैयार नहीं है

एलजीपी सांसद शांभवी चौधरी ने कहा- जिस जियोपॉलिटिकल सिचुएशन पर विदेश मंत्री पहले ही बयान दे चुके थे, उस पर हंगामा करना विपक्ष का गैर-जिम्मेदाराना बर्ताव दिखाता है। वे उसी मुद्दे पर उनका बयान सुनने को भी तैयार नहीं थे जिस पर वे चर्चा की मांग कर रहे थे।

कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव अमान्य घोषित

■ हाईकोर्ट के आदेश के बाद रामनिवास होंगे नए एमएलए

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने चुनाव याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया है। विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित कर दिया गया है। बता दें कि पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने याचिका दायर की थी। इस याचिका में मुकेश मल्होत्रा पर चुनावी हलफनामे में आपराधिक रिकार्ड की जानकारी छुपाने का आरोप लगाया गया था। इसमें कहा गया था कि मुकेश मल्होत्रा ने उपचुनाव के दौरान जो नामांकन दाखिल किया था, उसमें अपने आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई गई। मल्होत्रा पर 6 आपराधिक मामले दर्ज थे जबकि उन्होंने नामांकन में केवल 2 मामले ही बताए। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी और तथ्यों को छिपाने को सही माना। हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने आदेश देते हुए मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित कर दिया। भाजपा के प्रत्याशी रहे रामनिवास रावत को दूसरे नंबर पर रहने पर विजयपुर से विधायक घोषित किया गया है। हाई कोर्ट के सीनियर एडवोकेट एमपीएस रघुवंशी ने बताया है कि रामनिवास रावत ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि मुकेश मल्होत्रा ने 2024 के उपचुनाव नॉमिनेशन में अपने खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस की पूरी जानकारी नहीं दी थी। मुकेश ने सिर्फ दो क्रिमिनल रिकॉर्ड बताए थे, जबकि 4 केस छिपाए थे। याचिका में रावत ने मल्होत्रा के खिलाफ दर्ज सभी 6 क्रिमिनल केस की जानकारी दी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि रामनिवास रावत उपचुनाव में दूसरे नंबर पर आए थे, इसलिए मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द किया जाता है।

दिल्ली दंगा केस के आरोपी शरजील इमाम को भाई की शादी लिए जमानत मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है, ऐसे में परिवार में उनकी मौजूदगी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी मां की तबीयत काफी खराब है और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। इन परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए शरजील इमाम को 10 दिनों के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी। दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाकों में हिंसा उस समय हुई थी जब साल 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। हिंसा और आगजनी के दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार के फैसलों- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) और नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस के आरोपों में प्रदर्शनकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए।

ममता बनर्जी के धरने का चौथा दिन, रवींद्र संगीत सुनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी है। आज धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियों पर्चे बांट रहे हैं। ममता ने TMC कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है। ममता ने अपने समर्थकों से कहा, किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में ऐसे पर्चे बांटने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो। बनर्जी ने राज्य मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पर्चे बांटने में शामिल लोग पूछताछ के बाद भाग गए।

ईरान बोला: मजबूरी में जंग लड़ रहे

तुर्किये-साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से इनकार किया

इजराइली हमले में ईरान के नए सुप्रीम लीडर घायल

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने कहा है कि वह मजबूरी में जंग लड़ रहा है, यह उसकी पसंद नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि जंग देश पर जबरन थोपी गई है। जब उनसे सीजफायर के लिए मध्यस्थता की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल इस तरह की बात करना गलत होगा। बघाई ने कहा कि इस समय सैन्य टकराव जारी है और ऐसे में देश की रक्षा के अलावा किसी दूसरे विषय पर चर्चा करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने इस जंग की शुरूआत नहीं की थी। उनके अनुसार देश को अपनी रक्षा के लिए लड़ना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने तुर्किये, साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से भी इनकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह इन देशों की दिशा में ईरान की जमीन से कोई हमला शुरू नहीं किया गया। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को वर-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी। अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है। ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है। इजराइल के तेल अवीव में मिसाइल के मलबे गिरने से रविवार को एक भारतीय नागरिक घायल हो गया।

लेबनान के राष्ट्रपति बोले: जनता जंग से थक चुकी है

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने कहा कि लेबनान में सैन्य हमलों के जरिए इजराइल अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। रिपोर्ट के अनुसार औन ने कहा कि हम इजराइल के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि सुरक्षा से जुड़े जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर मौजूदा तनाव और सैन्य कार्रवाई को रोका जा सके। पिछले सप्ताह हिजबुल्लाह के उत्तरी इजराइल पर रॉकेट और ड्रोन हमले के बाद इजराइल ने लेबनान में इस ईरान समर्थित संगठन के ठिकानों पर कई हमले किए हैं। इन हमलों में हिज्बुल्लाह के 200 से अधिक लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। औन ने यह भी कहा कि हालात अनुकूल होने पर लेबनानी सेना अवैध हथियारों को जब्त करने की कार्रवाई जारी रखेगी। औन ने कहा कि लेबनान की जनता युद्ध से थक चुकी है और वह चाहती है कि युद्ध और शांति से जुड़े फैसले केवल राज्य के हाथ में हों।

पश्चिम एशिया तनाव

तेल संकट के बीच भारत ने बदली आयात रणनीति

अफ्रीका समेत इन देशों से बढ़ाई कच्चे तेल की खरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर बढ़ते खतरे के बीच भारत ने अपनी तेल आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने अब अमेरिका, लैटिन अमेरिका, रूस और पश्चिम अफ्रीका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। इसका उद्देश्य देश में ईंधन की आपूर्ति को स्थिर रखना और किसी संभावित संकट से बचाव करना है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के अनुसार भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी खरीद रणनीति में बदलाव किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी कंपनियों ने पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लैटिन अमेरिका के साथ-साथ रूस से भी अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। अमेरिका की ओर से रूसी तेल के लिए दी गई 30 दिन की अस्थायी छूट ने भी भारत के लिए तेल आयात का एक नया रास्ता खोल दिया है।पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार भारत अब ऐसे क्षेत्रों से अधिक तेल खरीद रहा है जो मौजूदा संघर्ष के दायरे से बाहर हैं। इसका असर यह हुआ कि गैर-होर्मुज स्रोतों से आने वाले तेल की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा लगभग 60 प्रतिशत था। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, इसलिए आपूर्ति के कई स्रोत बनाए रखना जरूरी माना जा रहा है।

भारत के पास अभी कितना तेल भंडार है?

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार देश के पास फिलहाल करीब 14.4 करोड़ बैरल कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। यह भंडार लगभग 50 दिनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। इसके अलावा सामरिक पेट्रोलियम भंडार में भी करीब 9.5 दिनों की शुद्ध आयात जरूरतों को पूरा करने लायक कच्चा तेल सुरक्षित रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

(लेखक - संजय गोस्वामी)

पुण्यतिथि10 मार्च 26 पर विशेष)

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मज़बूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आज़ादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मज़बूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे ज़ुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज़ करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज़्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया।'बालहत्या रोकथाम गृह' नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मज़बूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ़ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमज़ोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मज़बूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस ज़माने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए 'सत्यशोधक समाज' नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे कमज़ोर लोगों को ज़ुल्म और शोषण से आज़ाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के ज़रिए अपने

पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ़ अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फ़ूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के ख़िलाफ़ भी आवाज़ उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं। मृत्यु उनके गोद लिए हुए बेटे यशवंतराव ने डॉक्टर के तौर पर अपने इलाके के लोगों की सेवा की। जब 1897 में दुनिया भर में फैली तीसरी महामारी बुबोनिक प्लेग ने महाराष्ट्र के नालासपोरा के आस-पास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो हिम्मत वाली सावित्रीबाई और यशवंतराव ने पुणे के बाहरी इलाके में इस बीमारी से संक्रमित मरीज़ों के इलाज के लिए एक क्लिनिक खोला। वह मरीज़ों को क्लिनिक लाती थीं जहाँ उनका बेटा उनका इलाज करता था जबकि वह उनकी देखभाल करती थीं। समय के साथ, मरीज़ों की सेवा करते हुए उन्हें यह बीमारी हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनकी मौत हो गई। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों को खत्म करने के लिए सावित्रीबाई की लगातार कोशिशें और उनके द्वारा छोड़े गए अच्छे सुधारों की समृद्ध विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं।

संपादकीय

बढ़ता तापमान

हाल के वर्षों में कम समय के सर्दी के मौसम के बाद तापमान में अचानक वृद्धि, मौसम के पैटर्न में आ रहे असामान्य बदलाव का स्पष्ट संकेत है। सर्दी के बाद वसंत के मौसम का जल्दी चले जाना और जल्दी गर्मी का आना क्षेत्रीय वायुमंडल परिवर्तनों और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन का कारण माना जा रहा है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। खासकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सेब के बागों में, कम होती ठंडक से उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचने के लिए अनुकूलन उपायों में जलवायु अनुरूप बागवानी पद्धतियों को अपनाने और दीर्घकाल में सेब पट्टी को ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की जरूरत होगी। आवश्यकता होगी कि हम सूखा-सहिष्णु फसलों को अपनाएं। कम जल के बेहतर उपयोग के प्रयास हों। अब सिर्फ वैकल्पिक फसलों के भरोसे ही नहीं रहा जा सकता, कई मोर्चों पर पहल करने की जरूरत होगी। कुल मिलाकर एक स्पष्ट रणनीति को अपनाकर हम बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं है कि मार्च के पहले सप्ताह में उच्च तापमान का महसूस होना, आने वाले संकट का स्पष्ट संकेत है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले लू के दिनों की संख्या 1980 के बाद से दुगनी से भी अधिक हो गई है। हमारे देश में तीव्र शहरीकरण, सघन निर्माण और हरित क्षेत्रों के लगातार जारी क्षरण के चलते भी तापमान में वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ते तापमान से उत्पन्न जल व ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तत्काल कारगर योजनाओं की जरूरत है। इसके साथ ही शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु में तेजी से होने वाले परिवर्तन के इस नये असामान्य परिदृश्य के लिए नागरिकों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के लिए भी एक नया चार्टर बनाने की आवश्यकता होगी। सरकारों की तैयारियों को लेकर भी स्पष्ट रीति-नीति का निर्धारण जरूरी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निस्तारण के लिए रणनीतियों को लेकर सहभागी दृष्टिकोण प्रभावकारी हो सकता है। आने वाले समय में मौसम की चरम स्थितियां घातक साबित हो सकती हैं, जिनका मुकाबला मौजूदा अपर्याप्त प्रशासनिक योजनाओं के जरिये संभव न होगा। इसके लिए कारगर रणनीतियां बनाने की जरूरत होगी। हमें बिजली की अनुमानित मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना होगा। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श जारी करने तथा प्रभावी उपचार की उपलब्धता भी जरूरी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि हमें बिजली और पानी की बर्बादी पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे।

भारत की औद्योगिक सुरक्षा का सशक्त प्रहरी सीआईएसएफ

(लेखक-कांतिलाल मांडोत)

(10 मार्च सीआईएसएफ स्थापना दिवस पर विशेष)

भारत के विकास की गति केवल आर्थिक योजनाओं और औद्योगिक विस्तार से तय नहीं होती बल्कि उन संस्थानों की सुरक्षा से भी तय होती है जो देश की आर्थिक शक्ति के आधार हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी स्थायी और सुरक्षित हो सकती है जब उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना की गई। यह बल आज देश की औद्योगिक संरचना की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है और राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सीआईएसएफ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 10 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वाँ स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी लेकिन इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि देश की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए। समय के साथ भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ और उसके साथ ही सीआईएसएफ की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती चली गईं। आज यह बल लगभग दो लाख कर्मियों की शक्ति के साथ देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संगठनों में शामिल हो चुका है। यह बल देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों और सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। इसकी कार्यक्षमता और अनुशासन के कारण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है।

सीआईएसएफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना है। भारत के पेट्रोलियम संयंत्र इस्पात उद्योग कोयला खदान और ऊर्जा केंद्र देश की आर्थिक रीढ़ हैं। इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इन पर किसी भी प्रकार का खतरा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। सीआईएसएफ के प्रशिक्षित जवान इन क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संभावित खतरे को रोकने का कार्य करते हैं।

यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों मंष से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर की निगरानी जैसे कार्यों को अत्यंत सावधानी और अनुशासन के साथ निभाते हैं। इसी प्रकार मेट्रो रेल नेटवर्क की सुरक्षा भी सीआईएसएफ की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भारत के कई महानगरों में लाखों लोग प्रतिदिन मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। सीआईएसएफ के जवान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं।

सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का कार्य भी करता है।

समय के साथ बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने स्वयं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। ड्रोन निगरानी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों के उपयोग के माध्यम से यह बल अपनी क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है।

सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी।

सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है।

देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है।

सीआईएसएफ का आदर्श वाक्य संरक्षण और सुरक्षा है। यह केवल एक नारा नहीं बल्कि बल के प्रत्येक जवान की कार्य भावना का प्रतीक है। सीआईएसएफ के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उनके साहस अनुशासन और समर्पण के कारण ही देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियाँ सुरक्षित रह पाती हैं।

विचार- निर्विचार, चिंतन- अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शाप रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

विचार मंथन

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

(लेखक- सनत जैन)

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ‘कानून के शासन’ (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश मानते हैं, ईरान की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। यही कारण है, मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था एवं राजनीति पर पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पुतिन का यह प्रस्ताव कि पी5 के देश मिलकर वर्तमान स्थिति में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें। रूस के राष्ट्रपति के इस बयान को अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। विश्व की प्रमुख शक्तियां इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करती हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया के देशों में एक बेहतर संदेश और एकजुटता बनाने में मदद मिलेगी। जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, उनका पालन यदि कोई देश नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने की बाध्यता वैश्विक स्तर पर तैयार की जानी चाहिए। ताकि वैश्विक व्यवस्था का विश्वास एवं सुरक्षा को पुनः बहाल किया जा सके। यह समय की मांग है। महाशक्तियों का यह दायित्व है कि वह दुनिया के देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत कर सारी दुनिया में शांति बनाए रखना चाहती हैं या नहीं। पुतिन की यह चिंता जायज है। अमेरिका जैसे देश दादागिरी करके एक बार फिर जंगल राज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। शक्ति संतुलन के आधार पर जिस तरह से दुनिया के देशों को मनमर्जी से हांका जा रहा है, उसके कारण एक बार फिर दादागिरी की नई विश्व व्यवस्था बन रही है। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध वाले एक बार फिर हालात पैदा हो सकते हैं। अमेरिका और अन्य प्रमुख महाशक्तियों को विश्व के सभी देशों को स्पष्ट उत्तर देना ही होगा। वर्तमान स्थिति में जिस तरह के हालात बने हुए हैं सारी दुनिया के देश युद्ध की आशंका से जूझ रहे हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के हालात बनने लगे हैं सारी दुनिया के देशों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ना तय है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया के देश आपस में जिस तरह से व्यापार और व्यवसाय कर रहे थे आर्थिक विकास हो रहा था अब वह सब एक ही झटके में खत्म होने की स्थिति बन रही है। रूस के राष्ट्रपति ने महाशक्तियों को चेतावनी देते हुए जो कहा है उस पर तुरंत अमल हो इसके लिए सभी पांचो महाशक्तियों को आगे आकर निर्णय करना चाहिए। किसी भी महाशक्ति को गैंगस्टर बनकर मनमानी करने की छूट नहीं दी जा सकती है।

प्लैटिनम के दामों में गिरावट, युवाओं में बढ़ रही मांग

1 ग्राम प्लैटिनम 6,340, 10 ग्राम की कीमत अब 63,400 रुपए

नई दिल्ली । देश के ज्यादातर शहरों में सोमवार को प्लैटिनम की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, चंडीगढ़, हैदराबाद, सूरत, नागपुर और रायपुर में 1 ग्राम प्लैटिनम 6,340 रुपए में उपलब्ध है। 10 ग्राम प्लैटिनम की कीमत अब 63,400 रुपए हो गई है, जो पिछले हफ्ते के मुकाबले 10 ग्राम पर 500 रुपए कम है। सोने की कीमत लगातार ऊंची बनी हुई है। इस समय 10 ग्राम सोने का भाव लगभग 1,60,000 है। वहीं, 10 ग्राम प्लैटिनम लगभग 66,800 में मिल रहा है। कीमत में यह बड़ा अंतर कई खरीदारों को प्लैटिनम की ओर आकर्षित कर रहा है। प्लैटिनम ज्वैलरी का लुक काफी अलग और मॉडर्न माना जाता है। खासकर युवा वर्ग अब इसे पसंद करने लगे हैं। हालांकि प्लैटिनम की रीसेल वैल्यू सोने जितनी मजबूत नहीं होती, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बाजार दर पर बेचा जा सकता है। अगर आप प्लैटिनम ज्वैलरी खरीदने का सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ताज़ा रेट, शुद्धता और मेकिंग चार्ज की जांच करें। इससे भविष्य में बेचते समय सही मूल्य मिलने में मदद मिलती है।

पेट्रोल और डीजल के भाव में उतार-चढ़ाव

- गौतमबुद्ध नगर, देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता, पटना में 35 पैसे महंगा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिसका असर देश के शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दिख रहा है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए/लीटर और डीजल 30 पैसे गिरकर 88.01 रुपए प्रति लीटर पर आ गया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पेट्रोल 26 पैसे घटकर 93.43 रुपए प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रे ति लीटर बिक रहा है। वहीं पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे बढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए, डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए, डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए, डीजल 91.76 रुपए और चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए, डीजल 92.61 रुपए बिक रहा है।

कच्चे तेल में उछाल से पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट

देश के आयात बिल और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट दर्ज की गई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 8.67 प्रतिशत, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का 8.43 प्रतिशत और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) का 7.29 प्रतिशत टूट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और उससे तेल की कीमतों में आई तेजी है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड 114 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस उछाल से न सिर्फ तेल कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ा है, बल्कि देश के आयात बिल और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका है। तेल की बढ़ती कीमतों से पेंट उद्योग भी प्रभावित हुआ। एशियन पेंट्स का शेयर 5.12 प्रतिशत, इंडिगो पेंट्स 4.83 प्रतिशत, बर्जर पेंट्स 4.80 प्रतिशत और कंसाई नेरोलैक पेंट्स 4.72 प्रतिशत टूट गए। इसकी वजह पेंट उद्योग में उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री की लागत बढ़ना है, जो तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर है।

अरबों डॉलर का भारतीय माल रास्ते में अटका, 45,000 कंटेनर फंसे

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशियाई संघर्ष के कारण भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कंपनियों के मुताबिक, लगभग 40,000-45,000 कंटेनर फिलहाल मार्ग में फंसे हैं या अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। इनमें से करीब 80 प्रतिशत समुद्री मार्ग में हैं। इन कंटेनरों में कुल 1-1.5 अरब डॉलर मूल्य का माल शामिल है, जिसमें बासमती चावल लगभग 4 लाख टन शामिल हैं। शिपिंग कंपनियों ने युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे अतिरिक्त शुल्क लागू किए हैं। इन कारणों से प्रति कंटेनर लागत तीन से पांच गुना बढ़ गई है। एक व्यापार नीति विश्लेषक के अनुसार, सामान्य दिनों में अरब सागर में माल ढुलाई की लागत 800-1,500 डॉलर होती थी, अब इसे अतिरिक्त 3,000-5,000 डॉलर जोड़ना पड़ रहा है। बीमाकर्ताओं द्वारा युद्ध जोखिम कवर रद्द कर दिया गया है, जिससे निर्यातकों के लिए जोखिम और बढ़ गया है। कुछ निर्यातक बेक टू टाउन विकल्प पर विचार कर रहे हैं, जिससे बंदरगाह से माल वापस लाकर घरेलू बाजार में बेचा जा सके। इसके अलावा यदि खाड़ी देशों के बंदरगाह पर माल उतारना संभव न हो, तो इसे सलालाह जैसे वैकल्पिक बंदरगाहों पर उतारा जा सकता है।

150 डॉलर के पार पहुंच सकता है कच्चा तेल

नई दिल्ली ।

दुनिया की लगभग 20 फीसदी क्रूड ऑयल सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह जल मार्ग जल्द खुलता है, तो तेल की कीमतें गिर सकती हैं और बाजार सामान्य हो सकता है। लेकिन अगर बंदी कई सप्ताह तक बनी रहती है, तो सप्लाई में बाधा और कीमतों में तेजी आ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार 125 डालर प्रति बैरल रेजिस्टेंस स्तर है। इस स्तर को पार करने पर कीमतें 145-150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जो 2008 के उच्च स्तर के करीब है। वहीं 90 डॉलर प्रति बैरल महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में उभर सकता है, जो बाजार में तनाव कम होने का संकेत देगा। तेल की कीमतें सिर्फ सात दिनों में 65 फीसदी तक बढ़ी, जो बेहद असामान्य है। यह तेजी 2022 के एनर्जी संकट से अलग है, क्योंकि तब बढ़ोतरी मुख्य रूप से भू-राजनीतिक डर से थी, जबकि अब वास्तविक सप्लाई बाधित हो रही है।

क्रूड का दाम बढ़ने से अपस्ट्रीम कंपनियों को लाभ, ओएमसी और अन्य सेक्टर्स पर दबाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सोमवार को तेल की कीमतों में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई और यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। भारत जैसे देशों के लिए जो कच्चा तेल आयात करते हैं, यह स्थिति अर्थव्यवस्था और विभिन्न उद्योगों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। तेल उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सीधे लाभान्वित होती हैं। इन कंपनियों के लिए हर 1 डॉलर की कीमत बढ़ोतरी से सालाना 300-400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त रेवेन्यू होने का अनुमान है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें चुनौती बन सकती हैं। सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमतें बढ़ाने के पक्ष में नहीं है, इसलिए बढ़ी हुई लागत सीधे इन कंपनियों के मार्जिन और मुनाफे पर असर डालती है। पेंट कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें चिंता का विषय हैं। पेंट बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई रसायन पेट्रोकेमिकल से जुड़े होते हैं। लागत बढ़ने पर कंपनियों को उत्पाद की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे बिक्री और मांग प्रभावित हो सकती है। ब्रोकरेज फर्मों ने एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स के टारगेट कम किए हैं। एविएशन कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें बड़ी चुनौती हैं। इंडिगो जैसी एयरलाइंस के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल का खर्च बढ़ने से संचालन और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1352 , निफ्टी 422 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बढ़ने से भी बाजार टूटा है क्योंकि निवेशकों में भय का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक करीब 1.71 फीसदी नीचे आकर 77,566.16 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक फिसलकर 24,028.05 पर बंद हुआ। हालांकि बाजार में निचले स्तरों पर खरीददारी से कुछ रिकवरी हुई। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट से शुरुआत हुई । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब ऐविएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंड लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 फीसदी तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

यात्रा रद्द करने से पहले जानें रिफंड और वैकल्पिक उड़ान के नियम

एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया की यात्रा पर निकले कई यात्री हाल ही में बढ़ते युद्ध और हवाई मार्ग बंद होने की वजह से अपनी उड़ान और होटल बुकिंग रद्द कर रहे हैं। यात्रियों को पहले तय करना चाहिए कि वे यात्रा करना चाहते हैं या रिफंड लेना चाहते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें और कोई भी कदम उठाने से पहले नियमों को समझ लें। यदि युद्ध या हवाई मार्ग बंद होने की वजह से एयरलाइन अपनी उड़ान रद्द करती है, तो नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के` नियम स्पष्ट हैं। बुकिंग करा चुके यात्री को पूरी रकम वापस मिलती है या उसकी वैकल्पिक यात्रा का इंतजाम किया जाता है। ऐसी स्थिति को फोर्स मैजर कहा जाता है।` विशेषज्ञ के अनुसार इस तरह की असामान्य परिस्थितियों में एयरलाइन से अलग मुआवजा मांगना जरूरी नहीं होता, लेकिन मूल टिकट की रकम लौटानी होती है। रिफंड का अधिकार मजबूत करने के लिए एयरलाइन से लिखित में पुष्टि लेना जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो खुद टिकट कैंसल कराने के बजाय इंतजार करें कि एयरलाइन ही उड़ान रद्द कर दे। अगर यात्री खुद टिकट रद्द करा लेता है मगर उड़ान चालू रहती है तो तब तक किराये के सामान्य नियम लागू होंगे, जब तक एयरलाइन किराया माफ करने के या मुफ्त में कैंसल करने की नीति नहीं लाती है। जब एयरलाइन उड़ान को टालने या शुल्क माफ करने जा रही हो तो नॉन-रिफंडेबल किराये वाले टिकट कैंसल बिल्कुल नहीं करें। लॉ` विशेषज्ञों की सलाह है, यात्रियों को खुद टिकट कैंसल नहीं करने चाहिए बल्कि एयरलाइन से लिखित कैंसलेशन मांगना चाहिए ताकि रिफंड का उनका अधिकार बना रहे। अगर एयरलाइन आपको वैकल्पिक उड़ान का प्रस्ताव देती है तो उसे स्वीकार करना और यात्रा करना जरूरी नहीं है। अगर आपको लगता है कि तेज होते युद्ध के बीच आपको सफर नहीं करना है तो आप एयरलाइन से उसकी जगह पूरा किराया वापस मांग सकते हैं।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने केतन मर्चेंट को नया अंतरिम सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली ।

फिनो पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ ऋषि गुप्ता को पिछले महीने जीएसटी से संबंधित कथित उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है। गिरफ्तारी के बाद बैंक के बोर्ड ने गुप्ता के कार्यभार की जिम्मेदारी मुख्य वित्तीय अधिकारी केतन मर्चेंट को सौंप दी थी। बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केतन मर्चेंट को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 27 फरवरी, 2026 से तीन महीने या गुप्ता के फिर से कार्यभार संभालने तक लागू होगी। मर्चेंट बैंक के सीएफओ भी हैं और गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने बैंक के रोजमर्रा के संचालन का नेतृत्व किया। गुप्ता का बैंक में वापस आना बोर्ड और नामांकन व पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा उनकी उपयुक्तता की पुन- समीक्षा और आरबीआई की मंजूरी पर निर्भर करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गिरफ्तारी से लगभग एक महीने पहले ही आरबीआई ने गुप्ता का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी, जो 2 मई, 2026 से प्रभावी होगा।

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें

- यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयॉर्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कॉरिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा- साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली ।

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सॉवरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पॉइंट अटैक सरफेस बन जाता है। पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 30 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना ऑफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सॉवरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं सरकारी योजनाएं: निर्मला सीतारमण

महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच उन्हें असली आज़ादी दिलाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि जनधन खाता और लखपति दीदियों जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं और घरों तथा समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जनधन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार देश में अब तक 57.71 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। सीतारमण ने बताया कि महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं, जो पूरे भारत में वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, वित्तीय सहायता और अन्य संसाधन प्रदान किए जाते हैं। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे अधिक की आय अर्जित कर सकें। इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्य-पूर्व तनाव से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका

भारत की प्रमुख गैस कंप नियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सूत्रों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए देश की प्रमुख गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की दिशा में कदम उठा रही हैं। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई में कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से 5, 19 और 425 किलोग्राम वाले जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने की चर्चा है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान और औद्योगिक इकाइयों की चिंता बढ़ गई है। गैस कंपनियों के प्लांट्स पर सिलेंडर भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगने की जानकारी भी सामने आ रही है। डीलरों का कहना है कि उन्हें सीमित कोटा ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण सप्लाई व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से संकेत दिए गए हैं कि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं की आपूर्ति को हर हाल में सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ नए नियम और शर्तें लागू की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण बने रहते हैं तो इसका असर व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसे में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि सरकार और ऊर्जा कंपनियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखने के प्रयास जारी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

‘यह तो बस शुरुआत है’, हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद भरी हुंकार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जिंदगी में मुश्किलों का सामना करने से लेकर लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अपने सफर के बारे में बताया। पांड्या ने कहा कि अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी जीत उनके उस वादे का सबूत है जो उन्होंने खुद से किया था कि वे भारत के लिए ट्रॉफी जीतेंगे। उन्होंने 2024 वर्ल्ड कप में वापसी की, जबरदस्त वापसी की और 17 साल बाद जीत हासिल की।

हार्दिक पांड्या ने जियोस्टार पर कहा, ‘जब हमने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो मैं पर्सनली बहुत मुश्किलों का सामना कर रहा था। उस टूर्नामेंट से पहले बहुत कुछ हुआ था और चीजें मेरे हिसाब से नहीं हो रही थीं। 2024 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले, मैंने मन बना लिया था कि मैं वापसी करूंगा। मैं जबरदस्त वापसी करना चाहता था। मैंने ऐसा किया और अपनी टीम को 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने में मदद की। अहमदाबाद में इस टी20 वर्ल्ड कप जीत की बात करें तो, यह कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं हमेशा जीता रहा हूं। मैं अपने देश के लिए अच्छा करने और ट्रॉफी जीतने के लिए क्रिकेट खेलता हूं। मैं भारत के लिए सभी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।’

पांड्या ने कहा, ‘बारबाडोस में जीत के बाद मैंने खुद से वादा किया था कि मैं जो भी टूर्नामेंट खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा, और ट्रॉफी उठाऊंगा। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ यह जीत इस बात का सबूत है कि मैंने खुद से जो वादा किया था, वह सच हो गया है। और यह तो बस शुरुआत है।’

भारत ने मिचेल सेंटनर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड को 96 रन के बड़े अंतर से हराकर अपना टी20 वर्ल्ड कप खिताब बचाया। इस जीत के साथ भारत अपने घर में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, 2024 एडिशन जीतने के बाद लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम, और इसे तीन बार (2007, 2024, 2026) जीतने वाली पहली टीम बन गई।

पंड्या की बात करें तो उन्होंने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 9 पारियों में 27.12 के औसत और 160.74 के स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। 32 साल के स्टार ऑलराउंडर ने भारत के लिए गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9 मैचों में 2/16 के बेस्ट फिगर के साथ कुल 9 विकेट लिए।

स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधु, भारतीय चुनौती का दारोमदार श्रीकांत और प्रणय पर

बासेल (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधु तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा।

भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा, ‘वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा।’ भारत लौटने के बाद सिंधु ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

पुरूष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वाताना‍बे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुक कुओ से होगा। हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे। महिला एकल में उन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपै की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी।

सूर्यकुमार विश्व क्रिकेट के सबसे सफल टी20 कप्तान बने

-रोहित दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम की टी20 विश्वकप में खिताबी जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव इस प्रारुप के सबसे सफल कप्तान बन गये हैं। एशिया कप और टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव का जीत का औसत टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

अब तक टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अच्छा जीत प्रतिशत रोहित शर्मा के नाम था पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतते ही सूर्यकुमार ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 42 मैच उन्होंने जीते हैं और केवल 8 मैचों में वह हारे हैं। 2 मैचों के परिणाम नहीं निकले हैं। उनका जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 80.77 का है।

वहीं रोहित ने भारत को 80.65 फीसदी मैच जिताए हैं। रोहित ने 62 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 50 मैचों में टीम को सफलता मिली है, जबकि 12 मुकाबले भारतीय टीम हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान सरफराज अहमद हैं, जिन्होंने 78.38 फीसदी मैच पाकिस्तान को जिताए थे। 37 मैचों में से 29 मैचों में उनकी टीम को जीत मिली थी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श चौथे स्थान पर हैं, जिनका जीत प्रतिशत 69.23 का है। 39 मैचों में से 27 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का जीत प्रतिशत 66.67 फीसदी है। उन्होंने 27 मैचों में से 18 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलायी है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

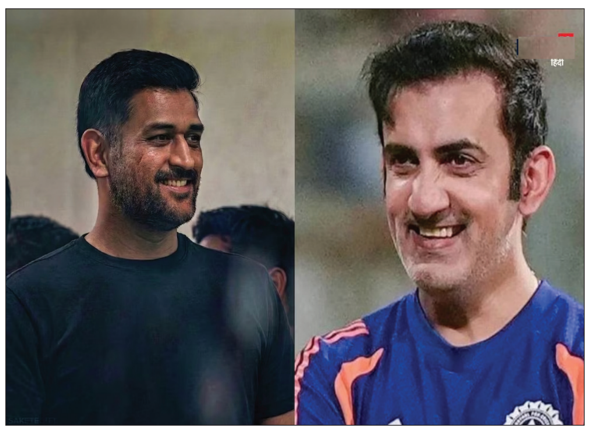

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, ÷कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।÷ गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, ‘अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।’ ‘कोच साहब’ वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः ‘बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।’ इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्ष्मण के प्रति आभार जताया

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है। साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं। इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है। गंभीर ने कहा, ‘ मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।’ गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है। गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया। साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं। साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है। साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं। उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया। वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं। उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते।. हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये। गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं। इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था। भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है। इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

28 मार्च से शुरु हो सकता है आईपीएल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र 28 मार्च से शुरू होने की संभावनाएं हैं। वहीं इसका फाइनल 31 मई को खेला जाना तय हुआ है। आईपीएल में पहला मुकाबला परंपरा के अनुसार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी और पिछली उपविजेता पंजाब किंग्स के बीच होगा। ये मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत की तारीख तय हो गयी हैं पर लेकिन बीसीसीआई ने अभी तक इस 19 सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि इसका कारण अप्रैल और मई में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इस तीनों ही राज्यों में भी आईपीएल मैच स्थल हैं। आईपीएल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी करनी होती है। इसी काण भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) चुनाव आयोग द्वारा घोषित आधिकारिक मतदान तारीखों का इंतजार कर रहा है। इन तारीखों के सामने आने के बाद ही आईपीएल 2026 के पूरे कार्यक्रम को बोर्ड जारी करेगा।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

महिला एशियन कप: क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा।

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी। जापान छह पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।’ मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, ‘हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।’

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर ।भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है। उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है। एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं। भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, ‘भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले। जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ। 8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।’ अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं। शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं। वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं। अख्तर ने कहा, ‘ ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है। वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता। कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए। अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।’ अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं। इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज

ऑकलैंड ।न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहुहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी। उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा। साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। उनके पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है। ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है। उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है।

इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है। उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं। तहूहू ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। वहीं अपना अंतिम एकदिवीसय मैच आईसी महिला विश्वकप 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

सैमसन की बल्लेबाजी में नजर आती है कोहली और रोहित दोनो की खूबी : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच और दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने टी20 विश्वप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुंबले ने सैमसन की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी बल्लेबाजी विराट और रोहित का मिला-जुला रुप है।

कुंबले के अनुसार सैमसन जरुरत के अनुसार कोहली की तरह एक छोर को संभाल सकता है और पावरप्ले में रोहित की तरह आक्रामक रुख अपना कर रन बटोर सकता है।, कुंबले ने सैमसन की बल्लेबाजी के रवैये को लेकर कहा कि कहा, अगर आप 2024 के पिछले विश्व कप को देखें, तो उसमें विराट और रोहित दोनो ही शामिल थे। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उनकी जगह की कमी पूरी करना कठिन है। मुझे लगता है कि सैमसन एक तरह से कोहली और रोहित का मिला-जुला रुप हैं। जब कोहली की थोड़ी जरूरत होती है, तो वह योजना बनाते हैं और इस बात का प्रयास करते हैं कि आप विकेट न खोएं और फिर जब भी तेजी से रनों की जरूरत होती है पावरप्ले में रोहित की तरह गेंदबाजों का सामना करना चाहते हैं। सैमसन ने फाइनल में अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए केवल 7.1 ओवर में 98 रन बनाये। इसके बाद उन्होंने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 105 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि मुझे तो ऐसा लगा कि मैं सैमसन की पिछली पारी को देख रहा हूं।

डुप्लेसिस ने कहा, ÷आप देख सकते हैं कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो फॉर्म में है और जिस तरह से खेलना चाहता है, उस पर पूरी तरह से अमल करने में सफल रहा है। ऐसा लग रहा है कि मैं पिछली पारी फिर से देख रहा हूं। यह बस गेम प्लान दिखा रहा है।÷

संक्षिप्त समाचार

दुनिया जंगल के कानून पर वापस नहीं जा सकती : वांग यी

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए युद्ध को चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को 'कभी नहीं होना चाहिए था' बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजिंग में पत्रकारों से बात करते हुए वांग यी ने कहा दुनिया को जंगल के कानून पर लौटने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। सैन्य कार्रवाई तुरंत समाप्त होनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध को लेकर अपने आत्मविश्वास का इजहार किया। ट्रंप ने कहा कि ईरान की सेना और नेतृत्व को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है और युद्ध अभी कुछ समय तक जारी रहेगा। ट्रंप ने कहा हम युद्ध में बहुत आगे हैं। हमने उनका पूरा बुरा साम्राज्य खत्म कर दिया। हमें यकीन है कि यह थोड़ी देर और चलेगा। युद्ध अपने सर्वोत्तम स्तर पर है। ट्रंप ने यह टिप्पणी एयर फोर्स वन में मियामी जाते समय की। उन्होंने ईरानी नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमताओं को निशाना बनाने और लगभग हर सैन्य नेतृत्व को समाप्त करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मिसाइलें अब कम चल रही हैं और ड्रोन क्षमताएं काफी हद तक प्रभावित हुई हैं।

जंग में मारी गई बच्ची को महिलाओं ने कंधा दिया

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का रविवार को नौवां दिन है। जंग की वजह से ईरान के कई शहरों में भंयकर तबाही हुई है और 1400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। वहीं दुनिया भर में इस जंग के खिलाफ और समर्थन में प्रदर्शन किया जा रहा है। ईरान समर्थकों और अमेरिका समर्थकों ने शनिवार को एक ही दिन ब्रिटेन में मार्च निकाला। वहीं दूसरी तरफ लेबनान में भी इजराइल, ईरान समर्थक ग्रुप हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले कर रहा है।

नाइजीरिया में सैन्य कार्रवाई में 45 उग्रवादियों की मौत

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य कत्सिना में सेना और उग्रवादियों के बीच हुई भीषण झड़पों में 45 उग्रवादियों के मारे जाने की खबर है। यह घटना शुक्रवार को दानमुसा क्षेत्र में हुई। राज्य के आंतरिक सुरक्षा और गृह मामलों के आयुक्त, नासिर मुआजू ने एक बयान में बताया कि यह झड़प गुरुवार को उग्रवादियों द्वारा मवेशी चोरी की कोशिश के बाद हुई। जिसमें उग्रवादियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 45 उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया। नाइजीरिया देश के उत्तरी क्षेत्रों में विभिन्न सशस्त्र समूहों से जूझ रहा है। जिनमें बोको हराम और उसके गुट, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी), आईएस-लिंक्ड लकुरवा, और अपहरण, फिरौती और अवैध खनन में विशेषज्ञता रखने वाले अन्य डाकू समूह शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, नाइजीरिया में हजारों लोग इन संघर्षों में मारे जा चुके हैं।

केन्या में भारी बारिश और बाढ़ का कहर, 23 की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में रात भर हुई भारी बारिश के बाद बाढ़ से 23 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार कुछ लोग बाढ़ में डूब गए और कुछ की करंट लगने से मौत हुई। सड़कों पर पानी भरने से सैकड़ों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और यातायात ठप हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात किया गया है। केन्या एयरवेज ने कई उड़ानें रद्द कर दीं या उनके मार्ग बदल दिए। रेड क्रॉस की टीमें फंसे हुए लोगों को निकालने में जुटी हैं। बारिश के कारण घरों में पानी भर गया है और कई वाहन सड़कों पर पलट गए हैं।

इंडिया-यूके अचीवर्स अवॉर्ड : केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को लंदन में मिला सम्मान, छह प्रमुख हस्तियां भी सम्मानित

लंदन, एजेंसी। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी को 2026 के प्रतिष्ठित 'इंडिया-यूके अचीवर्स अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन भारतीयों को दिया जाता है, जिन्होंने ब्रिटेन के संस्थानों में पढ़ाई की है और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इंडिया-यूके अचीवर्स अवॉर्ड समारोह में सम्मानित अन्य हस्तियों में शेफ और लेखक करण गोकानी, नीति विशेषज्ञ राजेश तलवार, स्वास्थ्य क्षेत्र के उद्यमी डॉ. शुचिन बजाज, सलाहकार नीति पॉल, रोबोटिक सर्जन डॉ. अरुण प्रसाद और लेखक व सामाजिक कार्यकर्ता आदित्य तिवारी शामिल हैं। जयंत चौधरी ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से पढ़ाई की है। उन्हें सात 'आउटस्टैंडिंग अचीवर्स' में शामिल किया गया, जिनके नाम की घोषणा लंदन में नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन (निसाउ) के वार्षिक सम्मेलन में की गई। यह कार्यक्रम ब्रिटिश सरकार और शिक्षा क्षेत्र के साझेदारों के सहयोग से आयोजित हुआ।

नेपाल चुनाव में बड़ा उलटफेर, बालेन शाह ने पूर्व पीएम केपी ओली को हराया

काठमांडू, एजेंसी। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि 35 वर्षीय बालेन को 68,348 मत मिले, जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734 मत मिले। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) - (सीपीएन-यूएमएल) ने ओली को पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था। नेपाल के झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आरएसपी नेता और रैपर से नेता बने बालेन शाह ने चार बार प्रधानमंत्री रह चुके के.पी. शर्मा ओली को लगभग 50,000 मतों के भारी अंतर से हराया। निर्वाचन आयोग ने यहां यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी (आरएसपी) के नेता और काठमांडू के पूर्व महापौर, जिन्हें लोकप्रिय रूप से केवल बालेन के नाम से जाना जाता है, अपनी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि 35 वर्षीय बालेन को 68,348 मत मिले, जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734 मत मिले। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) - (सीपीएन-यूएमएल) ने ओली को पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था। नेपाल में पिछले साल हुए हिंसक 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शनों के बाद बृहस्पतिवार को पहला आम चुनाव हुआ, जिसमें हिमालयी देश में राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की मांग की गई थी। बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी (आरएसपी) बड़ा बहुमत हासिल कर नेपाल की सत्ता पर काबिज़ होने जा रही है। शाह ने झापा-5 सीट पर ओली को चुनौती दी और अपने फैसले को सही साबित कर दिखाया। इस सीट पर कुल 1,06,372 वोट डाले गए। पूरे देश में आरएसपी के पक्ष में चल रही तेज लहर के बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री दहल 10,240 मतों के साथ रुकुम पूर्व-1 सीट जीतने में सफल रहे हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, आरएसपी ने 60 से अधिक सीटों पर जीत हासिल कर ली है। दूसरी ओर, नेपाली कांग्रेस ने जहां सिर्फ नौ पर जीत हासिल की है। ओली की पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) 3, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी 2 सीटें जीत चुकी हैं। इन आंकड़ों के आने के बाद शाह का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। जेनरेशन-जेड के आंदोलन से पहले नेपाल की सत्ता पर काबिज़ रही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को मौजूदा आम चुनाव में करारी शिकस्त मिली है। पार्टी के उपाध्यक्ष बिष्णु पौडेल, गोकर्ण बिस्टा, महासचिव शंकर पोखरेल, सचिव महेश बसनेत, भानुभक्त ढकाल और राजन भट्टराई को हार का सामना करना पड़ा है। नेपाल की संसद (प्रतिनिधि सभा) की कुल 275 सीटों के लिए पांच मार्च को मतदान संपन्न हुआ था। इनमें से 165 सीटों पर प्रत्यक्ष मतदान के जरिए और शेष 110 सीटों पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुनाव कराए गए। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस बार लगभग 60 प्रतिशत मतदान हुआ है।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2025 में हुए व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी छात्र आंदोलनों के बाद ओली सरकार गिर गई थी और संसद भंग कर दी गई थी। इसके बाद गठित अंतरिम सरकार की देखरेख में ये चुनाव संपन्न हुए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल के युवा मतदाताओं ने पारंपरिक नेतृत्व को नकारते हुए एक नए और आधुनिक राजनीतिक दृष्टिकोण को चुना है। शाह अगर सत्ता संभालते हैं तो न केवल नेपाल की आंतरिक राजनीति बल्कि भारत के साथ उसके द्विपक्षीय संबंधों के लिए भी एक नए युग की शुरुआत हो सकती है।

35 वर्षीय बालेन शाह को 68,348 मत मिले जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734, वोटों से संतोष करना पड़ा। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) ने ओली को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया था। विगत वर्ष जेन-जी आंदोलन के कारण ओली को पद से इस्तीफा देना पड़ा था और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया था। 39 वर्षीय रवि लिमिछाने ने 2022 में आरएसपी का गठन किया था। बालेन जेन-जी की पसंद माने जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और एनसीपी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने रुकुम पुरबा जिले से 10,240 वोट हासिल करके जीत दर्ज की जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सीपीएन-(यूएमएल) के लीलामणि गौतम को 3,462 वोट मिले।

इमरान खान की पार्टी के 47 नेताओं-कार्यकर्ताओं को जेल

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 47 नेताओं और समर्थकों को अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधक अदालत ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने इन सभी लोगों को मई 2023 में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों और तोड़फोड़ के मामले में दोषी पाया। दरअसल, 9 मई 2023 को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे। कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गए थे और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया था। रावलपिंडी में प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने सेना मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश भी की थी। इस दौरान कई सरकारी इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया था।

प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक संपत्ति को पहुंचाया था नुकसान : इस मामले में पुलिस ने रावलपिंडी के आरए बाजार पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया था। आरोप था कि प्रदर्शनकारियों ने आगजनी, तोड़फोड़, पुलिस पर हमला और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। साथ ही सेना के संग्रहालय, हमजा कैंप और मेट्रो स्टेशन को भी नुकसान पहुंचाया गया था। सभी को जज ने पहले ही घोषित किया था अपराधी आतंकवाद निरोधक अदालत के जज अमजद अली शाह ने इन 47 लोगों को अदालत में पेश न होने के कारण पहले ही घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। अदालत ने उन्हें अनुपस्थिति में ही दोषी ठहराते हुए 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 5 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया। अगर जुर्माना नहीं दिया गया तो अतिरिक्त जेल की सजा भी भुगतनी पड़ेगी। इसके अलावा दोषियों की चल और अचल संपत्ति जब्त करने का आदेश भी दिया गया है। पीटीआई के किन-किन नेताओं को मिली सजा सजा पाने वालों में पीटीआई के कई बड़े नेता शामिल हैं, जैसे उमर अयूब खान, शिबली फराज, शाहबाज गिल, जुल्फी बुखारी, मुराद सईद, जरताज गुल और हम्माद अजहर जैसे नाम शामिल हैं। अदालत के फैसले में कहा गया कि संयुक्त जांच दल (जेआईटी) की जांच में इन लोगों की भूमिका हिंसक प्रदर्शन की योजना बनाने में सामने आई थी। इसलिए इन्हें आतंकवाद निरोधक कानून के तहत दोषी माना गया। यह मामला 9 मई 2023 को हुए सेना मुख्यालय हमले से जुड़ा है। इस पूरे केस में कुल 118 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

कनाडा सरकार ने भारतीयों को दी खुशखबरी: हजारों प्रवासियों को मिलेगा स्थायी घर, पीआर प्रोग्राम का ऐलान

ओटावा, एजेंसी। कनाडा सरकार ने विदेशी कामगारों को स्थायी घर (पीआर) देने के लिए प्रोग्राम शुरू किया है। देश की इमिग्रेशन मिनिस्टर लीना मेटलेज डियाब ने इसका ऐलान किया है। इस प्रोग्राम का मकसद आगले दो साल में इन-डिमांड सेक्टर्स में 33,000 वर्कर्स को परमानेंट स्टेटस देना है। कनाडा में काम करने वाले और पढ़ाई करने वालों में भारतीयों की बड़ी संख्या है। ऐसे में इस प्रोग्राम का भारतीयों को खासतौर पर लाभ होगा। पीआर प्रोग्राम की घोषणा बीते साल नवंबर में की गई थी लेकिन इसकी डिटेल नहीं दी गई। डियाब ने कहा है कि सरकार अप्रैल में ज्यादा डिटेल दे पाएंगे। हाल के सरकारी डाटा से पता चला है कि 21 लाख टेम्परेरी निवासियों के परमिट 2025 में खत्म हो रहे थे। 2026 में 19 लाख परमिट खत्म हो जाएंगे। इसने बिना डॉक्यूमेंट वाली आबादी में संभावित बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई है।

नॉन परमानेंट को कम करने की कोशिश : यह प्रोग्राम प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की कोशिश का हिस्सा है, ताकि 2027 तक कनाडा की आबादी में नॉन-परमानेंट निवासियों की हिस्सेदारी को पांच परसेंट से कम किया जा सके, जो 2025 के आखिर में 6.8 परसेंट थी। टेम्परेरी माइग्रेंट को परमानेंट रेजिडेंट में बदलना इस लक्ष्य को पाने का एक अहम तरीका माना जा रहा है। डियाब ने कहा, 'अगर आप टेम्परेरी स्टेटस पर कनाडा में हैं, चाहे वह विजिटर हो, स्टूडेंट हो या फिर वर्कर वीजा हो। किसी वजह से आप टाइम लिमिट से ज्यादा समय तक रहना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के लिए अप्लाई करें। आप एक्सटेंशन के लिए अप्लाई नहीं करते हैं तो हम उम्मीद करते हैं कि आप कमिटमेंट का सम्मान करेंगे और चले जाएंगे।'

कनाडा सरकार का बिल सी-12 इस समय चर्चा में है। यह इमिग्रेशन अधिकारियों को पब्लिक इंटरेस्ट में डॉक्यूमेंट और एप्लीकेशन्स को कैंसिल करने या सस्पेंड करने का अधिकार देगा। डियाब का कहना है कि सरकार का मकसद टेम्परेरी रेजिडेंट की संख्या कम करना, परमानेंट रेजिडेंट एडमिशन को स्टेबल करना और एक इंटरनेशनल टैलेंट अट्रैक्शन स्ट्रैटेजी लागू करना है।

इजरायल ने लेबनान में खोदा कब्रिस्तान, 40 साल पहले खोए पायलट की तलाश

बेरूत , एजेंसी। ईरान में जारी युद्ध के बीच इजरायल ने पूर्वी लेबनान के अंदर एक ऑपरेशन को अंजाम दिया है, जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में हैं। ईरान के साथ-साथ लगातार लेबनान पर बम बरसा रहीं इजरायली सेना ने शुक्रवार की रात अपनी एक स्पेशल यूनिट के साथ एक स्थानीय कब्रिस्तान के ऊपर धावा बोल दिया। यूनिट का टारगेट था, 40 साल पहले लापता हुए इजरायली फाइटर पायलट रॉन अराद के अवशेषों को खोजना।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार की रात इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह लड़ाकों द्वारा किए गए कुछ प्रतिरोध के बावजूद इस मिशन को अंजाम दिया। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की कि उनका यह अभियान अराद के अवशेषों को ढूंढ़ने के लिए था। हालांकि, उन्हें अराद के अवशेष नहीं मिले। सेना ने संकेत दिए कि वह अराद के अवशेषों की खोज लगातार करती रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली सेना का यह ऑपरेशन लेबनान की बेका घाटी के नबीशीत गांव में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजरायली कमांडो चार हेलीकॉप्टरों में सवार होकर कब्रिस्तान के बाहर उतरे और उन्होंने अंदर जाकर एक कब्र को खोदना शुरू कर दिया। कुछ देर तक लगातार वहां पर काम करने के बाद इजरायली सैनिक वहां से वापस लौट गए। एक स्थानीय रिपोर्टर के मुताबिक, लोगों का मानना है कि अराद की मौत के बाद उन्हें यहीं कहीं दफनाया गया है। इस घटना के 40 साल बाद भी इजरायल अपने फाइटर पायलट के शव की तलाश कर रहा है। इजरायली पायलट रॉन अराद 1986 में हिज्बुल्लाह के खिलाफ चलाए गए एक मिशन का हिस्सा थे। इस मिशन के दौरान ही उनके हेलीकॉप्टर को लेबनान के ऊपर मार गिराया गया। इसके बाद से रॉन लापता हो गए, इजरायल की तमाम कोशिशों के बाद भी उनका पता नहीं लगाया जा सका। स्थानीय लोगों के बीच में यह मान्यता है कि इस घटना के बाद ही रॉन की मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद उन्हें बेका घाटी में ही दफन कर दिया गया, हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

40 साल के समय के बाद भी इजरायल लगातार अपने पायलट की या उसके अवशेषों की तलाश कर रहा है। इजरायली खुफिया एजेंसी ने इसके लिए कई अभियान भी चलाए हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, अराद के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पहले हिज्बुल्ला से जुड़े कुछ लोगों को भी इजरायली एजेंटों द्वारा हिरासत में लिया गया था। लेकिन इसके बाद भी कुछ हाथ नहीं लगा।

ईरान युद्ध के बीच चीन और सऊदी अरब में 5 अरब डॉलर की ड्रोन डील, पलक झपकते ही करता है हमला

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एविएशन कंपनी एवीआईसी ने सऊदी अरब के साथ ड्रोन निर्माण के लिए 5 अरब डॉलर की डील की है। इस डील के तहत चीनी कंपनी जेद्दा में विंग लूंग-3 यूएवी असेंबली लाइन लगाएगी, जिसमें हर साल 48 ड्रोन बनेंगे। चीन के विंग लूंग-3 अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) को सऊदी अरब ने ऑपरेशनल जांच के बाद चुना है। ये डील ऐसे समय हो रही है, जब ईरान युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में उथल-पुथल मची है। सऊदी अरब भी इस लड़ाई से सीधेतौर पर प्रभावित दिखा है।

क्लैशरिपोर्ट के मुताबिक, डील से पहले सऊदी अरब ने ऑपरेशनल जांच में इन ड्रोन की ताकत को परखा। लड़ाकू उड़ानों में इस्तेमाल होने वाले 200 से ज्यादा यूएवी ने तेजी से टारगेट पर निशाना साधा। इन ड्रोन ने 15 मिनट में 12 एयरक्राफ्ट ने तीन रडार स्टेशन और तीन आर्मर्ड गाड़ियों पर हमला किया।

पश्चिम एशिया में बेहतर काम करेगा ड्रोन : चीन के इस ड्रोन का इंटेलिजेंट रिकग्निशन सिस्टम 0.3 सेकंड में टारगेट को लॉक कर देता है यानी यह पलक झपकते ही हमला करता है। इसके पिछले मॉडल्स के मुकाबले एंटी-जैमिंग में 40 प्रतिशत सुधार हुआ है। इन ऑपरेशनल मेट्रिक्स ने सऊदी मिलिट्री के फैसले लेने वालों को डाटा पर भरोसा दिलाया, जो पश्चिमी सिस्टम पर पारंपरिक निर्भरता से ज्यादा था। यह यूएवी पश्चिम एशिया के हालात के लिए बनाया गया है। इसके इंजन में मल्टी-स्टेज डस्ट प्रोटेक्शन और बेहतर कूलिंग सिस्टम हैं, जो 50 डिग्री सेल्सियस तापमान और बड़े पैमाने पर रेत के तूफानों को झेल सकते हैं। रियाद डिफेंस एक्सपो में एल-15 ट्रेनर एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल करके नकली पहाड़ी उड़ानों सहित डेमोंस्ट्रेशन ने सिस्टम की मजबूती को दिखाया। इससे उनका चीनी इक्विपमेंट में भरोसा बढ़ा। सऊदी-चीन की 5 अरब की इस डील में जेद्दा में यूएवी असेंबली लाइन के अलावा एक मॉड्यूलर ट्रांसफर प्लान के तहत फ्लाइट कंट्रोल और एवियोनिक्स सिस्टम को इंटीग्रेट करना शामिल है। इससे सऊदी अरब को जीएएमआई स्ट्रैटेजी के अनुसार, 2030 तक 50% मिलिट्री इंडस्ट्रियल लोकलाइजेशन का अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। चीन इस डील में हार्डवेयर को लॉजिस्टिक्स, ट्रेनिंग और डिजिटल सिस्टम के साथ जोड़ती है। सऊदी अरब ने विंग लूंग-3 को अपनाकर यह संकेत दिया है कि चीनी यूएवी अब वेस्टर्न प्लेटफॉर्म के लिए हाई-एंड, लड़ाई में सक्षम विकल्प हैं। स्ट्रेटेजिक तौर पर ये ड्रोन 10,000 किमी रेंज, 40 घंटे तक चलने वाले और लाल सागर और फारस की खाड़ी पर लगातार निगरानी कवरेज देते हैं।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी के आवास पर बम हमले की कोशिश, हिरासत में दो लोग; स्थिति तनावपूर्ण

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मेयर जोहरान ममदानी के आधिकारिक आवास, ग्रेसी मेंशन के बाहर बम हमले का प्रयास किया गया। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग ने इस मामले में दो संदिग्धों की पहचान की है और उन्हें हिरासत में लिया है। यह घटना रमजान के पवित्र महीने के दौरान हुई, जब दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना के दौरान एक वीडियो में एक संदिग्ध को एक उपकरण दूसरे को सौंपते हुए दिखाया गया है, जिसके तुरंत बाद गिरफ्तारी हुई। पुलिस द्वारा बरामद किए गए उपकरण में एक जार था, जो काले टेप से लिपटा हुआ था और उसमें नट, बोल्ट, स्क्रू और एक फ्यूज भरा हुआ था। यह उपकरण फुटबॉल से थोड़ा छोटा बताया जा रहा है।

स्वतंत्र समाचार एजेंसी फ्रीडमन्यूज ने यह वीडियो साझा किया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब मेयर के आधिकारिक आवास के बाहर दो विरोधी प्रदर्शनकारी समूहों के बीच झड़प हो गई थी। पुलिस ने इस दौरान कुल छह लोगों को हिरासत में लिया। बताया गया कि यह हिंसा उस समय भड़की जब दक्षिणपंथी प्रभावक जेक लैंग द्वारा आयोजित एक इस्लाम विरोधी प्रदर्शन का टकराव रमजान के दौरान आयोजित एक प्रदर्शन से हो गया। इस दौरान दो संदिग्ध उपकरणों को जलाकर फेंका गया। पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने बताया कि ये उपकरण आकार में फुटबॉल से थोड़े छोटे थे और फिलहाल उनकी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे वास्तव में काम करने वाले विस्फोटक थे या सिर्फ डर फैलाने के लिए बनाए गए थे। पुलिस के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हवा में जाते समय उपकरण से आग और धुआं निकलता दिखाई दिया, जो एक बैरियर से टकराने के बाद पुलिस अधिकारियों से कुछ फीट दूर गिरकर बुझ गया। रिपोर्ट के अनुसार घटना की शुरुआत तब हुई जब इस्लाम विरोधी समूह के एक व्यक्ति ने काउंटर-प्रोटेस्ट करने वालों पर कथित तौर पर मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया। लगभग 20 मिनट बाद एक 18 वर्षीय प्रदर्शनकारी ने जलता हुआ उपकरण प्रदर्शन क्षेत्र की ओर फेंका, जो सड़क के क्रॉसवॉक पर गिरा। इसके बाद उसी व्यक्ति ने अपने 19 वर्षीय साथी से दूसरा उपकरण लिया और उसे भी जलाकर सड़क पर गिरा दिया, तभी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया। ये दोनों उन छह लोगों में शामिल हैं, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा है।

ईरान की जंग में उतरेगा पाकिस्तान?: आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री के बीच हुई बड़ी बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब सीधे निशाने पर है। खाड़ी के इस देश के ऑयल फील्ड और एयरपोर्ट पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसी बीच रियाद में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान की अहम बैठक हुई।

बैठक में ईरान के हालिया हमलों और उन्हें रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। सऊदी रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बैठक संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते के तहत हुई और इस दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने पर जोर दिया।

सऊदी अरब के ऑयल फील्ड पर हमले : हाल के दिनों में ईरान ने सऊदी अरब के शायबा ऑयल फील्ड को निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि छह ड्रोन को मार गिराया गया, जबकि दो बैलिस्टिक मिसाइलें प्रिंस सुल्तान एयर बेस के पास नष्ट की गईं। यह क्षेत्र यूएई की सीमा के पास स्थित है और पिछले हमलों के बाद अब ईरान सीधे इसमें शामिल हो रहा है।

क्या बढ़ेगी पश्चिम एशिया में जंग: ईरान और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका अहम हो गई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने संसद में खुलासा करते हुए कहा कि हाल के दिनों में ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमलों में कमी या प्रतिक्रिया न देने के पीछे पाकिस्तान की कूटनीतिक पहल रही है। यह खुलासा पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना देता है।

पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका का खुलासा : इशाक डार ने बताया कि पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ एक रणनीतिक रक्षा समझौता है। जब ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ा, तो पाकिस्तान ने तत्काल ईरान से संपर्क किया। पाकिस्तान ने ईरान को इस रक्षा समझौते के बारे में आगाह किया और आश्वासन मांगा कि सऊदी अरब की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान ने ईरान को यह आश्वासन भी प्रदान किया। इस कूटनीतिक प्रयास ने तत्काल टकराव को टालने में मदद की।

जंग फैलने की आशंका : अब तक चल रहे संघर्ष में खाड़ी देशों ने सीधे टकराव से खुद को दूर रखा था और अमेरिका ने भी इन देशों की जमीन का इस्तेमाल अपने हमलों के लिए नहीं किया था। हालांकि, अगर ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमले जारी रहते हैं और सऊदी अरब-पाकिस्तान रक्षा समझौता सक्रिय हो जाता है, तो स्थिति पूरी तरह से बदल सकती है। यदि पाकिस्तान सऊदी अरब की ओर से ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है, तो यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। यह सीधे तौर पर दक्षिण एशिया में भी फैल जाएगा, क्योंकि पाकिस्तान और ईरान के बीच एक लंबी सीमा लगती है।

बांग्लादेश: कोमिल्ला में मंदिर के पास विस्फोट, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका; तीन घायल : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कोमिल्ला शहर में कलागाछितला मंदिर और पास की सड़क के पास हुई सिलसिलेवार पेट्रोल बम धमाकों में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में मंदिर के पुजारी केशव चक्रवर्ती और स्थानीय निवासी अब्दुल बारेक शामिल हैं। तीसरे घायल व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।कोमिल्ला पुलिस अधीक्षक मो. अनीसुज्जमान ने बताया कि पुजारी और दो अन्य, जिनमें एक राहगीर भी शामिल है, विस्फोटों में घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान चला रही है। कोटवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी मो. तौहीदुल अनवर ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, 'इस समय, हम मकसद की पुष्टि नहीं कर सकते या विस्फोटों के पीछे के लोगों की पहचान नहीं कर सकते।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

बिहार की सियासत: भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके। बीजेपी के लिए यह फैसला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि 2030 तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

फ्लाइट में युवक ने सुलगा ली बीड़ी, यात्रियों में फैली दहशहत, गोवा में केस दर्ज

गोवा (एजेंसी)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट के टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी यात्री की इस हरकत से विमान में सवार अन्य यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था, काफी देर तक यात्रियों में दहशत रही। जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या क्यूपी 1625 में यात्रा कर रहा था। उड़ान के दौरान आरोपी विमान के टॉयलेट में गया और वहां बीड़ी पीने लगा। कुछ देर बाद क्रू मेंबर को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद जांच करने पर यात्री के पास एक लाइटर भी बरामद हुआ। एयरलाइन की शिकायत के अनुसार विमान के भीतर धूम्रपान करना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। टॉयलेट में बीड़ी पीने और लाइटर रखने से विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। क्रू मेंबर ने तुरंत तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। विमान के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद गोवा पुलिस ने भारतीय न्याय सहिंता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि विमान के भीतर इस तरह की गतिविधियां बेहद गंभीर मानी जाती हैं, क्योंकि इससे यात्रियों और विमान की सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एयरलाइन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाए

-मेघालय सीमा से भारत में घुसे थे और बंगाल के बोंगांव में छिपे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुसे थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें, लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। बता दें उस्मान हादी को ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। बाद में इलाज के दौरान सिंगापुर में 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके शामिल थे।

ज्वाला ने दिया 5 शावकों को जन्म

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया; जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उडने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ़्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनिफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उडने के बाद वापस लौट आया। एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

देश में 33,577 बच्चे हुए लापता, पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर तो मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर, कुछ राज्यों में एक मामला भी दर्ज नहीं

-महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों ने देश में बच्चों के लापता होने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच पूरे देश में 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मामले पश्चिम बंगाल से सामने आए हैं। यहां कुल 19,145 बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अभी भी लापता हैं।

इस मामले में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए। इनमें से 3,197 बच्चों को ढूंढ लिया गया, जबकि 1,059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में 2,209 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 353 अभी भी नहीं मिले हैं। केरल में 1,696 बच्चों के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 778 अब तक लापता हैं। वहीं ओडिशा में 1,624 बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए, जिनमें से 1,088 बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों में कोई मामला नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बच्चों के गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। इनमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली शामिल हैं।

लापता से ज्यादा बरामद हुए बच्चे

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या लापता बच्चों से अधिक है। इसका कारण यह है कि कई बार एक राज्य से लापता हुए बच्चे दूसरे राज्यों में बरामद होते हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र, लद्दाख और तमिलनाडु में बरामद बच्चों की संख्या दर्ज मामलों से अधिक है।

विदेश मंत्री के बयान को विपक्ष ने बताया अपर्याप्त, मांग ठुकराए जाने पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर सोमवार को संसद के उच्च सदन में जोरदार हंगामें की स्थिति बन गई। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की, लेकिन राज्यसभा में चर्चा की अनुमति न मिलने के बाद विपक्ष ने विरोध जताते हुए वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस ने विदेश मंत्री के बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार से तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, लेकिन उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर तत्काल चर्चा चाहता था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके प्रभावों को लेकर सदन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीति की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विपक्ष विदेश मंत्री के बयान से असंतुष्ट नजर आया और उच्च सदन से वाकआउट कर गया।

बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत, विदेश मंत्री जयशंकर पर नाराज थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखकर उन्हें सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वे चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

थरूर ने कहा कि सोमवार सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं।

थरूर ने कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होगा। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है।

थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है। यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद

ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हम ये नहीं कह रहे कि हम सरकार हैं।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

पहले भी दो बार हो चुकी है पूछताछ, घटना में 41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ। कार्यक्रम से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े दस्तावेज, अनुमति प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की भी बारीकी से जांच कर रही है। करूर भगदड़ मामले ने पूरे राज्य में गहरा असर डाला था और घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

होली स्नेह मिलन के साथ नई कार्यकारिणी का हुआ घटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, लोसल नागरिक परिषद द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन रविवार को शाम पाँच बजे से घोड़ दौड़ रोड़ स्थित अग्रवाल समाज भवन के बेसमेंट हॉल में किया गया। आयोजन में अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर मेधावी छात्रों का सम्मान, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, नागरिक अभिनंदन सम्मान आदि किया गया। परिषद द्वारा सभी के लिए स्वरुचि भोज की व्यवस्था की गई थी।
कार्यक्रम के दौरान परिषद की नई कार्यकारिणी का घटन किया गया।

जिसमे सर्वसम्मति से कमलेश जोशी को अध्यक्ष, विकास मालचन्दका को सचिव, नटवर बजाज को कोषाध्यक्ष, निरंजन कालिका एवं जुगल अग्रवाल को उपाध्यक्ष, संदीप पंचभाई को सहसचिव बनाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

-आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने का दिया सुझाव

श्रीनगर (एजेंसी)। ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

एक अन्य अभिभावक ने बताया कि कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है और भारत सरकार से भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजरबैजान जैसे देशों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत सरकार को भी तुरंत कदम उठाने चाहिए क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। ईरान के विभिन्न शहरों में पढ़ रहे छात्रों ने भी हालात को तनावपूर्ण और डरावना बताया है।

आल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली से मुलाकात कर ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी में सहयोग करने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। डॉ. मोमिन के मुताबिक भारतीय दूतावास ने छात्रों को पड़ोसी देश आर्मेनिया तक पहुंचने में लाजिस्टिक सहायता देने की पेशकश की है जिसे मौजूदा हालात में अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा रहा है। हालांकि आर्मेनिया से भारत

तक की आगे की यात्रा का प्रबंध छात्रों को स्वयं करना होगा।